किसानों की सब्सिडी में कमी करेगी सरकार

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में दिख सकता है असर

कन्हैया लोधी

भोपाल, 13 फरवरी. वित्तीय वर्ष 2026-27 की अवधि के लिए मप्र का बजट तैयार करने का सिलसिला अब अंतिम चरणों में है. बजट को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही कैबिनेट के सामने भी प्रेजेंटेशन दे दिया गया है.

अब बजट प्रिंट कराने से पहले उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है. इस बीच बजट को लेकर जो संकेत मिले हैं, उसके मुताबिक एक बार फिर राज्य सरकार बजट में ज्ञान पर ही फोकस करेगी. ज्ञान यानी राज्य सरकार के चार मिशन, जिसमें गरीब, युवा , किसान और नारी कल्याण शामिल है. नए बजट में वित्तीय मैनेजमेंट को लेकर कसावट देखने मिलेगी. सबसे बड़ी बात ये कि लाड़ली बहना योजना में प्रतिमाह खर्च होने वाली बड़ी राशि को ध्यान में रखते हुए अब इस मद में राशि का इंतजाम करने के लिए किसानों को बिजली पर मिल रही सब्सिडी को कम करने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए किसानों को अब परंपरागत बिजली के बजाय सोलर से बिजली कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.

दरअसल नए वित्तीय वर्ष में किसानों को बिजली पर मिलने वसाली सब्सिडी बढ़कर लगभग 27 हजार करोड़ रुपए हो जाने की संभावना है, वहीं लाड़ली बहना योजना के लिए नए बजट में लगभग 23 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करने की जरूरत पड़ेगी. इस तरह इन दोनों ही योजनाओं पर ही सरकार को लगभग 50 हजार करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे, ये बड़ी राशि है. ऐसे में सरकार ने किसानों को मिल रही सब्सिडी का बोझ सरकार के कंधे से कम करने के लिए नया रास्ता निकाल लिया है. प्रदेश में मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना लागू की गई है.

इस योजना के तहत कृषि पंप वाले एक लाख किसानों को परंपरागत बिजली के बजाय सोलर की बिजली से पलेवा करने के लिए उन्हें कनेक्शन दिए जाएंगे. सबसे पहले फोकस अस्थायी कृषि पंप उपभोक्ताओं पर किया जाएगा, उसके बाद फिर स्थायी कृषि पंप उपभोक्ताओं को सोलर में शिफ्ट करने की कोशिश होगी. यदि राज्य सरकार की योजना परवान चढ़ी तो वर्ष 2026-27 की अवधि में राज्य सरकार पर लगभग 5 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी का बोझ कम हो सकता है. इस बचत राशि को लाड़ली बहना सहित दूसरी नगद योजनाओं पर खर्च करने में उपयोग लाया जा सकेगा. वैसे भी राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को किसानों को समर्पित किया है. ऐसे में न तो किसानों को कोई नाराजगी होगी और न ही बहनों को प्रसन्न रखने में कोई परेशानी होगी.

वर्ष के अंत तक 1750 प्रतिमाह करेगी सरकार

वित्त विभाग को नए वित्तीय वर्ष में वित्तीय प्रबंधन की ज्यादा इसलिए भी जरूरत पड़ेगी, क्योंकि इस वर्ष के अंत तक यानी दिसंबर से पहले प्रदेश में लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़कर 1750 रुपए की जा सकती है. जिस तरह भाजपा ने संकल्प पत्र में जाहिर किया था कि बहनों को प्रतिमाह 3 हजार रुपए देंगे, इसके लिए ये जरुरी है कि सरकार योजना की राशि में धीरे-धीरे ही सही लेकिन बढ़ोतरी जरुर करेगी. विभागीय सूत्रों के मुताबिक वर्ष दीपावली के आसपास बहनों को 1500 रुपए से बढ़ाकर प्रतिमाह 1750 रुपए देने की घोषणा की जा सकती है.

रावसे के 24 अधिकारियों की आईएफएस के रूप में पदोन्नति

भोपाल, 13 फरवरी. मध्यप्रदेश में राज्य वन सेवा (रावसे) के 24 अधिकारियों को भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारियों के रूप में पदोन्नत किया गया है. केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की इस संबंध में स्वीकृति के बाद अधिसूचना भी जारी कर दी गई है. अधिकारियों का चयन वर्ष 2023 और 2024 को आधार मानकर किया गया है.

पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में माधव सिंह मौर्य, ज्योति मुड़िया, हरीश चंद्र बघेल, संतोष कुमार रणशोर, शीतल प्रसाद शाक्य, बालक राम सिरसाम, भानु प्रकाश बाथम, रामकिशन सोलंकी, रेशम सिंह धुर्वे, मानसिंह मरावी, सुंदर दास सोनवानी और योहान कटारा शामिल हैं. इसके साथ ही विद्याभूषण मिश्रा, राजवेंद्र मिश्रा, अनुभा त्रिवेदी, जया पांडे त्रिपाठी, मुकेश पटेल, धीरेंद्र प्रताप सिंह, मनोज कुमार सिंह, लाल सुधाकर सिंह, शिको राही किचोलिया, विजेंद्र खोबरागड़े, भारत सोलंकी और सुरेश कुमार को आईएफएस के रूप में पदोन्नति का लाभ मिला है.

सरकार ने अधिसूचना भी जारी की

एमबीए छात्रा की नृशंस हत्या से मचा हड़कंप

03 दिन से थी लापता

नवभारत न्यूज़

इंदौर, 13 फरवरी. एक होनहार एमबीए छात्रा की बेरहमी से हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. 25 वर्षीय युवती का शव उसके ही क्लासमेट के किराए के कमरे में निर्वस्त्र अवस्था में बरामद हुआ.

कमरे के बाहर ताला लगा था और भीतर से बदबू आने पर पुलिस ने जब दरवाजा खुलवाया तो भीतर का मंजर देखकर हर कोई सन्न रह गया. युवती तीन दिनों से लापता थी, जबकि आरोपी युवक घटना के बाद से फरार है. एसीपी शिवेन्द्र जोशी ने बताया कि वारदात

द्वारकापुरी थाना क्षेत्र की अंकल गली की है. जिस कमरे से शव मिला, वह मंदसौर निवासी पीयूष धामनोदिया ने किराए पर ले रखा था. मृतका और आरोपी दोनों सांवेर रोड स्थित एक निजी संस्थान से एमबीए सेकेंड सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे थे. सूचना मिलते ही एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए गए. पुलिस ने आरोपी की तलाश में अलग-अलग टीमें रवाना कर दी हैं, वहीं आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक 10 फरवरी को युवती अपने पिता के साथ आधार कार्ड में सुधार कराने की बात कहकर घर से निकली थी. पिता ने उसे कलेक्टोरेट के पास छोड़ा था. वहां से उसने छोटी बहन को फोन कर बताया कि वह अपने क्लासमेट पीयूष के साथ बर्थडे पार्टी में जा रही है और रात 11 बजे तक लौट आएगी. इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया. अगले दिन कॉलेज प्रबंधन ने युवती के पिता को बुलाकर बताया कि कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में छात्रा के मोबाइल से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया है और दोनों छात्रों के फोन बंद आ रहे हैं.

आपत्तिजनक वीडियो से खुली साजिश की परतें

घटना से जुड़ा सबसे चौंकाने वाला पहलू 10 फरवरी की रात सामने आया, जब कॉलेज के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप पर छात्रा के मोबाइल फोन से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया. वीडियो में युवक का चेहरा इमोजी से ढंका हुआ था, जबकि युवती का चेहरा साफ नजर आ रहा था. परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल का इस्तेमाल कर उसके स्टेटस पर भी वीडियो लगाए और फोन में सेव नंबरों पर भेजकर उसे बदनाम करने की साजिश रची थी.

उज्जैन में ट्रेनों को वापस मोड़ने की जरुरत नहीं होगी

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेल मंत्रालय द्वारा उज्जैन बायपास लाइन को स्वीकृति प्रदान करने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार माना है. कुल 8.60 किमी की नईखेड़ी-चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली इस लाइन के प्रारंभ होने से उज्जैन के समीप वैकल्पिक रेल मार्ग उपलब्ध होगा. इससे उज्जैन से ट्रेनों को वापस मोड़ने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और ट्रेनों में विलंब नहीं होगा. यह व्यवस्था सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाएगी. उल्लेखनीय है कि भारतीय रेल द्वारा 189.04 करोड़ रुपये की इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है.

पटवारी ने प्रदर्शन में की शिरकत

कथित लाठीचार्ज मामले में कांग्रेसी सड़कों पर उतरे

विशेष संवाददाता

भोपाल,13 फरवरी. शहडोल में स्वच्छ पेयजल की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों पर जिला प्रशासन द्वारा किए गए लाठीचार्ज के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है.

विपक्ष ने भाजपा सरकार पर संवेदनहीनता और दमनात्मक रवैया अपनाने का आरोप लगाया है. कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में एक विशाल जनसभा और रैली का आयोजन किया गया, जिसमें शहडोल और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि पिछले दो दशकों में भाजपा सरकार प्रदेशवासियों को एक गिलास स्वच्छ पेयजल तक उपलब्ध कराने में विफल रही है. उन्होंने कहा कि जब जनता अपनी बुनियादी जरूरतों, विशेषकर पानी, की मांग करती है तो सरकार समाधान देने के बजाय लाठियां चलवाती है, जो लोकतांत्रिक शासन नहीं बल्कि तानाशाही का उदाहरण है.

युवाओं में बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और अवैध रेत खनन जैसे मुद्दों को भी उन्होंने उठाया. पटवारी ने सरकार पर कानून-व्यवस्था चरमराने और प्रशासन के राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया. उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस इस मुद्दे को 'सड़क से सदन तक' उठाएगी और कथित ज्यादतियों का हिसाब लेकर रहेगी.

20,098 किसानों ने कराया पंजीयन : गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल, 13 फरवरी. रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए अब तक 20,098 किसानों ने पंजीयन करा लिया है.

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि वे 7 मार्च तक पंजीयन अवश्य करा लें. उन्होंने कहा कि किसान हित में पंजीयन प्रक्रिया को सहज और सुगम बनाया गया है तथा प्रदेश में कुल 3,186 पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं. केंद्र सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,585 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है, जो पिछले वर्ष से 160 रुपये अधिक है. अभी तक इंदौर संभाग में 4,084, उज्जैन में 9,524, ग्वालियर में 476, चंबल में 123, जबलपुर में 788, नर्मदापुरम में 900, भोपाल में 3,602, रीवा में 68, शहडोल में 83 और सागर में 450 किसानों ने पंजीयन कराया है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14